

मीठो मीठो प्यारो प्यारो मधुर तुहिंजो नाम आ।
रोम रोम में रमी वयड़ो अठई पहर आराम आ॥

नाम जप तप नाम संजम, नाम पूजा पाठ आ।
नाम तीरथु विरत साधन, नाम रस जो धाम आ॥

नाम नारायण हरी आ, नाम गुरु गोविन्द सचो।
नाम श्रीवैकुण्ठ मुक्ती, नाम खुद सियाराम आ॥

नाम बेड़ो नाम बोहित, नाम पुल संसार जो।
नाम तारक नाम रक्षक, साणु आठों याम आ॥

नाम दाता नाम भ्राता, नाम त्राता दीन जो।
नाम नामी नाम स्वामी, नाम सतगुरु श्याम आ॥

नाम जी महिमा अनोखी, गाए शारदा शेष भी।
देव रिषि नारद जी वीणा, जो इहो विश्राम आ॥

नाम मैगसि नाम कोकिल, नाम श्रीखण्डि चन्द्र जू।
नाम बाबल नाम साई, सचो चन्दन नाम आ॥